# मेरी प्रीत लगा दो गुरुवर

मेरी प्रीत लगा दो गुरुवर मेरी भक्ति जगा दो गुरुवर
आपके चरणों में आपके वचनों में

1) जिधर देखूँ उधर आयें आप नज़र
ऐसी दृष्टि देदो गुरुवर
ऐसी दृष्टि देदो गुरुवर
मेरी प्रीत.....

2) मेरी जीवन नैया भंवर में है डोले
अब पार लगा दो गुरुवर
अब पार लगा दो गुरुवर
मेरी प्रीत.....

3) सुख में सोऊँ नहीं दुख में रोऊँ नहीं
ऐसी समता देदो गुरुवर
ऐसी समता देदो गुरुवर
मेरी प्रीत.....

4) गुरु की महिमा को मैं हर दम गाता रहूँ
ऐसी वाणी देदो गुरुवर
ऐसी वाणी देदो गुरुवर
मेरी प्रीत.....

5) युगों से भटका हूँ कहाँ-कहाँ अटका हूँ
अब मुक्ति देदो गुरुवर
अब मुक्ति देदो गुरुवर
मेरी प्रीत.....

6) ना चित्त अब चंचल हो सुमिरन हर पल हो
ऐसी भक्ति देदो गुरुवर
ऐसी भक्ति देदो गुरुवर
मेरी प्रीत.....